भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड –XXVI अंक–16 31 अगस्त, 2021

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

साधु पुरुषों का उद्धार करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की अच्छी तरह से स्थापना करने के लिए मैं युग–युग में प्रकट हुआ करता हूँ। **श्रीमद्भगवद्गीता 4/8**

स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न

15 अगस्त, 2021 स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ खुशनुमा माहौल में अत्यन्त उत्साह एवं उल्लास से संस्थान समुदाय के साथ मनाई गई। प्रो. वी. रामगोपाल राव, ने नियत समय पर ध्वाजारोहण किया। तत्पश्चात् डोगरा हॉल में समारोह प्रारम्भ किया गया। निदेशक महोदय ने प्रसन्नता के साथ चयनित स्टाफ सदस्यों को 'संस्थान प्रोत्साहन पुरस्कार' एवं सुरक्षाकर्मियों को 'सिक्योरिटी यूनिट अवार्ड' प्रदान किए। कोविड नियमों को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम सीमित उपस्थिति के साथ, संस्थान समुदाय के लिए समारोह का सीधा (लाइव) प्रसारित किया गया ।

निदेशक महोदय का उद्बोधन

(अनुवादित संक्षिप्त सार)

निदेशक महोदय ने इस पावन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए संस्थान समुदाय को स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रो. राव ने कहा आज विशेष महत्व का दिन हैं, क्योंकि यह भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष की शुरूआत का प्रतीक है। यह स्वतंत्रता का त्यौहार उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा सम्भव बनाया गया है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। इनमें से बहुत से लोग जाने जाते हैं तथा कई अज्ञात हैं। मुझे लगता है हमें उन सभी को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिन्होंने बिना किसी उम्मीद के अपना जीवन बलिदान कर दिया।

मुझे इस बात की खुशी है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने देश को गौरान्वित किया है। उन्होंने संस्थान के विभिन्न प्रोग्रामों में शिक्षा प्राप्त कर रही महिला विद्यार्थियों/संकाय तथा स्टाफ के आंकडे साझा करते हुए कहा कि आई.आई.टी. दिल्ली जैसे राष्ट्रीय महत्व के तकनीकी संस्थानों में भी महिलाएं बड़ी भूमिका निभा रही हैं।

हम सभी जानते हैं कि आई.आई.टी. दिल्ली ने कोविड समय के दौरान महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका सारा श्रेय हमारे संकाय, स्टाफ एवं विद्यार्थियों को जाता है। अभी कैम्पस में कोई भी कोविड पॉजिटिव मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग सभी परिसरवासियों को कम से कम एक टीका लग चुका है तथा काफी लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं। हमारे संस्थान कैम्पस में कोविड का निपटान अन्य संस्थानों की तुलना में अच्छी तरह से किया गया।

कोविड संदर्भ में हमारे संस्थान ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए कोविड तकनीकी संबंधित 13 पेंटेंट फाइल किए हैं, कंपनियों तथा स्टार्टअप्स के साथ 19 लाइसेंस पर हस्ताक्षर तथा 4 टेक्नोलॉजी ट्रांसफर किए हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दुनियां की सबसे सस्ती RT-PCR किट हमारे संस्थान द्वारा ही विकसित की गई है। इसके अलावा कुछ दिन पहले ही विश्व की सबसे सस्ती रेपिड एंटीजन किट भी हमारे संस्थान द्वारा ही विकसित की गई, जिसे ICMR तथा DACI द्वारा अनुमोदित किया गया है। विकसित की गई इन तकनीकों को समाज के लगभग 10 मिलियन लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया है।

निदेशक महोदय ने कोविड के कारण संस्थान के संकाय, स्टाफ सदस्यों द्वारा खोये अपने प्रियजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके बच्चों तथा परिवार की हर संभव सहायता करने के लिए संस्थान उनके साथ खड़ा है। पिछले 5 वर्षों में किए गए कार्यों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे संस्थान संकाय का प्रति रिसर्च आउटपुट अन्य आई.आई.टी. की तुलना में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा पिछले 55 वर्षों में लगभग 500 पेटेंट फाइल किए गए, वहीं पिछले 5 वर्षों में ही 500 पेटेंट फाइल किए हैं।

निदेशक महोदय ने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा हमारा देश नई शिक्षा नीति का प्रथम वर्ष पूर्ण कर रहा है। उन्होंने शिक्षा नीति की तारीफ करते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति से आई.आई.टी. जैसे संस्थानों को और अधिक स्वायत्ता मिलेगी तथा आई.आई.टी. दिल्ली जैसे संस्थानों के अंतरराष्ट्रीयकरण में सहायता मिलेगी। निदेशक महोदय ने बताया कि आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा भारत सरकार को विदेश में अपना एक कैम्पस खोलने का प्रस्ताव भेजा है। यदि सरकार द्वारा यह अनुमोदित किया जाता है तो इस नई दिशा में आई.आई.टी. दिल्ली को आगे बढ़ते हुए देखेंगे।

निदेशक महोदय ने थ्री 'Is' को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अन्तरराष्ट्रीयकरण, उद्योगों के साथ जुड़ाव तथा अंतःविषय षोध तथा थ्री 'Es' –उत्कृष्टता, विस्तार तथा भागीदारी के साथ हमें आगे बढ़ना है। हम सही दिशा में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। हमारा देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है, वहीं हमारा संस्थान 60वां स्थापना दिवस मना रहा है। मुझे गर्व है कि हमारा संस्थान समाज के प्रत्येक क्षेत्र में योगदान दे रहा है और आगे भी इस दिशा में प्रयासरत रहेगा।

जय हिन्द !

–डॉ. नीरज चौरसिया

बधाई

- **डॉ. नबी हसन**, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय को उनके महत्वपूर्ण प्रोफेशनल योगदान एवं उपलब्धियों के लिए स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशॅन (SLA) यू.एस.ए. द्वारा प्रतिष्ठित अवार्ड ''2021 इंजीनियरिंग लाइब्रेरियन ऑफ दि ईयर अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड 4 अगस्त, 2021 को एसएलए एनुॲल वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया गया।

- **श्री शंकर बी. चव्हाण**, सह पुस्तकालयाध्यक्ष (व.वे.), केन्द्रीय पुस्तकालय को उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिये एस.एल.ए. एशियन चैप्टर्स द्वारा ''एस.एल.ए. इन्फॉर्मेशन प्रोफेशनल अवार्ड 2021'' से प्रदान किया गया। यह अवार्ड 9 अगस्त, 2021 को एसएलए एनुॲल वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया गया।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय एवं स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 अगस्त, 2021 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

प्रो. एम. बालाकृष्णन, प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग



प्रो. एम. बालाकृष्णन ने 27 दिसम्बर, 1988 को संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 अप्रैल, 1991 में आपको सह प्रोफेसर तथा 1 अगस्त, 1997 को प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. एम. बालाकृष्णन ने बिट्स पिलानी से बी. ई. (ऑनर्स) करने के तुरन्त बाद 31 मई, 1977 को अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र (CARE) में वरिष्ठ शोध सहायक (SRA) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया तथा 8 वर्षों तक वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। इस दौरान आप वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी–I स्तर तक पहुंचे तथा विद्युत इंजीनियरी विभाग से विद्यावाचस्पति (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त की। लगभग साढ़े तीन वर्षों तक विदेश में कार्य करने के बाद आप सहायक प्रोफेसर के रूप में आई.आई.टी. दिल्ली लौट आए। इसके बाद आपने अध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी (2001-2004); संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान (2006-2009); उप निदेशक (संकाय) (2009-2012) तथा उप निदेशक (नीति एवं योजना) (2016-2019) के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली में 33 वर्षों तक संकाय के रूप में आपने 18 पीएच.डी. विद्यार्थियों, 129 एम.टेक. तथा 87 बी.टेक. परियोजनाओं का मार्गदर्शन किया। प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं एवं सम्मेलनों में आपके लगभग 140 पेपर्स प्रकाशित हुए हैं। आप 15 करोड़ रुपए से अधिक बजट की 32 प्रायोजित परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषक (PI) रहे। आप 3 स्टार्टअप्स के संस्थापक सदस्य रहे तथा आपने 6 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की हैं। केयर में रहते हुए आप उस टीम का हिस्सा बने जिसे INS विक्रान्त पर स्थापित डेक लैंडिग मिरर साइट पर कार्य करने के लिए NRDC पुरस्कार दिया गया था। 2011 में 25 अल्युमनी द्वारा प्रायोजित ''आई.आई.टी. दिल्ली गोल्डन जुबली मेंटर अवार्ड'' तथा हाल ही में ''लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड, 2020'' के आप प्रथम प्राप्तकर्ता हैं।

आपने प्रो. पी.वी.एम. राव (डिजाइन विभाग) के साथ मिलकर ASSISTECH लैब की स्थापना की, जो दृष्टिबाधित लोगों की गतिशीलता और शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी समाधान खोजने पर केन्द्रित है। स्मार्टकेन सहित कई समाधानों के लिए ASSISTECH जिम्मेदार है। जो भारत में हजारों दृष्टिहीन लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। आपने तीन 'राष्ट्रीय पुरस्कार' तथा ''ACM Eugene L Lawler अवार्ड'' सहित विकलांगता क्षेत्र में कार्य करने के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए। 2016 में आपने 'लंदन में बिल ऐन्ड मेलिंडा गेट्स फाउन्डेशॅन' एवं 'वेलकम ट्रस्ट' की संयुक्त बैठक को सम्बोधित किया।

अकादमिक अनुसंधान के अलावा, आई.आई.टी. दिल्ली में अपनी प्रशासनिक नियुक्तियों के दौरान आपने आई.आई.टी. दिल्ली आउटरिच को मजबूत करने तथा संकाय और अनुसंधान प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए तथा इसकी दृश्यता बढ़ाने की कई पहल की। आपने ''इंस्टिट्यूट ओपन हाउस डे'' की शुरूआत की जो संस्थान कैलेण्डर में स्कूली बच्चों तथा अन्यों के लिए एक महत्वपूर्ण आउटरिच कार्यक्रम बन गया है। आपने परिसर समुदाय के लिए कई पहल की इसमें बीमा योजना, कैम्पस डे–केयर सेन्टर तथा कैम्पस कचरा पुनचर्क्रण अनुबन्ध शामिल हैं।

अत्यंत मृदु एवं मितभाषी स्वभाव के प्रो. एम. बालाकृष्णन अपने संकाय सहकर्मियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय रहे हैं।

प्रो. तारा चन्द्र काण्डपाल, प्रोफेसर, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग



प्रो. तारा चन्द्र काण्डपाल ने 19 मई, 1979 को संस्थान के ऊर्जा अध्ययन केन्द्र में वरिष्ठ शोध सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 5 अप्रैल, 2000 में आपको प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया।

आपके अनुसंधान क्षेत्रों में भारत पर विशेष फोकस के साथ सौर तापीय उपयोगिता, अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का तकनीकी–अर्थशास्त्र और अक्षय ऊर्जा शिक्षा शामिल हैं। आपने भारत और विदेशों में ऊर्जा क्षेत्र में कई तरह के पाठ्यक्रम पढ़ाए। अक्षय ऊर्जा पर लघु अवधि पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए आपने नियमित रूप से स्वीडन (2001-2017) और जर्मनी (2010-2019) के दौरे किए हैं। शिक्षण और अनुसंधान के अलावा आप कई अलग–अलग पदों की हैसियत से आई.आई.टी. दिल्ली की प्रशासनिक गतिविधियों में भी शामिल रहे हैं–संस्थान में अक्षय ऊर्जा प्रणालियों पर संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के संस्थागत सह समन्वयक (1987-1997) और संस्थागत समन्वयक (1997-2000); उपाध्यक्ष, जे.ई.ई. (2000-2001), गेट और जैम के उपाध्यक्ष (2004-2006) और अध्यक्ष (2006-2007); प्रोफेसर प्रभारी, योजना (2008-2010); सह संकायाध्यक्ष (स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान) (2014-2016); अध्यक्ष, ऊर्जा अध्ययन केन्द्र (2018-2019) तथा वर्ष 2019-2021 के दौरान उप निदेशक (प्रचालन) रहे। प्रो. काण्डपाल संस्थान में अपने प्रवास के दौरान प्रदान की गई सहायता और समर्थन के लिए पूरे संस्थान समुदाय को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहते हैं।

''विनम्रता–दृढ़ता'' से परिपूर्ण स्वभाव के प्रो. कांडपाल अपने सकांय साथियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्याथियों के बीच लोकप्रिय रहे है।

डॉ. श्रीमती रेनू मिसुरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, भा.प्रौ.सं. अस्पताल



डॉ. श्रीमती रेनू मिसुरिया ने 8 अप्रैल, 1992 को संस्थान अस्पताल में सहायक चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 अप्रैल, 1996 को आपको चिकित्सा अधिकारी के रूप में मैप एवं चयनित किया गया। 9 अप्रैल, 2000 को आर.ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में नियुक्त किया गया। 29 अक्टूबर, 2008 को आपको डीएसीपी के अन्तर्गत चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में उन्नयन दिया गया। 1 अप्रैल, 2014 को आपको डीएसीपी के अन्तर्गत उन्नयन दिया गया। 22 सितम्बर, 2015 को डीएसीपी के अन्तर्गत आपको मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG) के रूप में पदनामित किया गया। मृदु एवं ममतामयी स्वभाव की डॉ. रेनू मिसुरिया एक कर्मठ, मेहनती एवं कर्तव्यपरायण मुख्य चिकित्सा अधिकारी रही हैं।

श्रीमती स्नेह कपूर (26101), वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, केयर



श्रीमती स्नेह कपूर ने 17 मई, 1988 को संस्थान में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 जून, 1996 को आर.ऐन्ड सी. डी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में नियुक्त किया गया। 1 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको तकनीकी अधीक्षक के रूप में पुनः पदनामित किया गया। 1 जून, 2008 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पदोन्नत एवं उन्नयन दिया गया। 1 जनवरी, 2016 को एम.ए.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको उन्नयन दिया गया। श्रीमती स्नेह कपूर एक मेहनती एवं कर्मठ वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक रही हैं।

श्रीमती सुषमा सचदेवा (25457), कनिष्ठ अधीक्षक, शैक्षिक प्रौद्योगिकी सेवा केन्द्र (ETSC)



श्रीमती सुषमा सचदेवा ने 7.12.1983 को संस्थान में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 जनवरी, 1992 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अंतर्गत आपको प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में चयनित किया गया। 1 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 1 जनवरी, 2004 को इसी योजना के अंतर्गत आपको कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत एवं उन्नयन दिया दिया गया। 7 दिसम्बर, 2013 को एम.ए.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको उन्नयन दिया गया। 5 नवम्बर, 2016 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको लेवल–8 में उन्नयन दिया गया। श्रीमती सुषमा सचदेवा कर्तव्यपरायण, कर्मठ एवं मेहनती कनिष्ठ अधीक्षक रही हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंह सनसनवाल (25889), वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक, सुरक्षा एकक



श्री सुरेन्द्र सिंह सनसनवाल ने 24 जून, 1981 को संस्थान में 'क्लास–IV गार्डमैन' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 जुलाई, 1986 को पीपीएस के अन्तर्गत आपको क्लास–IV गार्डमैन (ग्रेड–II) के रूप में पदोन्नत किया गया। 2 अप्रैल, 1990 को आपको सुरक्षा निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। 1 मई, 1998 को आर. सी.डी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक के रूप में चयनित किया गया। 1 सितम्बर, 2008 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। श्री सुरेन्द्र सिंह सनसनवाल एक सजग, सतर्क एवं कर्मठ वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक रहे हैं।

श्री राम कुमार (50621), अटेन्डेन्ट, रासायनिक इंजीनियरी विभाग



श्री राम कुमार ने 26 अक्टूबर,1984 को संस्थान में 196–232/–रु. (संशोधित 750–940) के वेतनमान में अटेन्डेन्ट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 नवम्बर, 1989 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 800–1150/–रु. (संशोधित 2650–4000) का वेतनमान तथा 1 नवम्बर, 1997 को इसी योजना के अन्तर्गत 3050–4590/–रु., (5200–20200/–रु. तथा 1900 रू. का ग्रेड वेतन) का वेतनमान दिया गया। 1 सितम्बर, 2008 को एम.ए.सी.पी.एस. के अर्न्तगत 2000/–रु. के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। 1 सितम्बर, 2018 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत लेवल–5 में उन्नयन दिया गया। श्री राम कुमार एक कर्मठ एवं मेहनती अटेन्डेन्ट रहे हैं।

श्री शिव शंकर (50339), माली, बागवानी (निर्माण संगठन)



श्री शिव शंकर ने 25 जुलाई, 1985 को संस्थान में 196–232/–रु. (संशोधित 750–940) के वेतनमान में माली के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 अगस्त, 1990 को आपको 800–1150/2650–4000 (फिटमेंट) का वेतनमान; 1 अगस्त, 2000 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत 3050–4590/–रु. (5200–20200/–रु. तथा 1900 रू. का ग्रेड वेतन) का वेतनमान; 1 अगस्त, 2010 को एम.ए.सी.पी.एस. के अन्तर्गत 2000/–रु. के ग्रेड वेतन के साथ उन्नयन दिया गया। श्री शिव शंकर एक कर्मठ एवं मेहनती माली रहे हैं

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय/स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान द्वारा **'हिंदी दिवस'** के उपलक्ष्य में **14 से 30 सितंबर, 2021** तक **'हिंदी पखवाड़े'** का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए उत्साहवर्धक वातावरण सृजित करना तथा हिंदी में मौलिक कार्य जैसे टिप्पणी, मसौदे, पत्राचार आदि को बढ़ाना है। पखवाड़े के दौरान निम्नलिखित हिंदी प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा :

क्र. सं.	तिथि, समय एवं स्थान	प्रतियोगिताएँ एवं कार्यक्रम	प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का माध्यम (वर्चुअल/ऑनलाइन या ऑफलाइन)
1.	**14 सितंबर, 2021 (मंगलवार)** अपराह्न 02:30 से 04:30 बजे तक	**<u>हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ</u>** संस्थान में राजभाषा के प्रगाामी प्रयोग हेतु **ऑनलाइन कार्यशाला**	ऑनलाइन माध्यम द्वारा कार्यशाला में भागीदारी हेतु विवरण व लिंक साझा कर दी जायेगी।
2.	**16 सितंबर, 2021 (बृहस्पतिवार)** प्रातः 11.30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक	**हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता** (ग्रुप 'बी' व 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए)	ऑफलाइन (VI-LT2 में)
3.	**17 सितंबर, 2021 (शुक्रवार)** प्रातः 11.30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक	**टिप्पण एवं प्रारूपण** (नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग) (ग्रुप 'बी' व 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए)	ऑफलाइन (VI-LT2 में)
4.	**20 सितंबर, 2021 (सोमवार)** प्रातः 11.30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक	**राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता** (ग्रुप 'बी' व 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए)	ऑफलाइन (VI-LT2 में)
5.	**30 सितंबर, 2021 (बृहस्पतिवार)** प्रातः 11:30 से प्रारंभ	**हिंदी समारोह** (जिज्ञासा पत्रिका का विमोचन एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों की घोषणा)	ऑनलाइन माध्यम से सीधा (लाइव) प्रसारण किया जाएगा जिसका लिंक यथा समय संस्थान के सभी संकाय सदस्यों/अधिकारियों/स्टाफ सदस्यों के साथ साझा कर दिया जाएगा।

कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरणः–

1. **संस्थान में राजभाषा के प्रगाामी प्रयोग हेतु ऑनलाइन कार्यशाला** – संस्थान में हिंदी पखवाड़े के शुभारंभ में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगाा। कार्यशाला में संस्थान के स्टाफ सदस्यों को राजभाषा संबंधी नियमों एवं विविध प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी और इनके कार्यान्वयन संबंधी दिशानिर्देशों से अवगत करवाया जाएगा। कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को यथासमय सूचना प्रेषित कर, उन्हें लिंक साझा कर दिया जाएगा जिसके माध्यम से वे इस कार्यशाला में भाग ले सकेंगे।
2. <u>हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता</u> – इसमें ग्रुप 'बी' के प्रतिभागियों के लिए –**'ऑनलाइन माध्यमों से शिक्षा का स्वास्थ्य एवं समाज पर प्रभाव'** तथा 'ग्रुप 'सी' के प्रतिभागियों के लिए विषय है–**'कौशल विकास एवं राष्ट्र समृद्धि'**
3. <u>टिप्पण एवं प्रारूपण</u> – इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को कार्यालय में प्रयोग किए जाने वाले नेमी टिप्पण एवं प्रारूपण (नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग) से संबंधित प्रश्न दिए जाएँगे।
4. <u>राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता</u> – इसके अंतर्गत राजभाषा हिंदी, प्रशासनिक शब्दावली और टिप्पणियाँ, अनुवाद आदि से संबंधित प्रश्न दिए जाएँगे।
5. <u>हिंदी समारोह</u> – समारोह में संस्थान की वार्षिक पत्रिका **'जिज्ञासा'** का विमोचन किया जाएगा तथा उपरोक्त प्रतियोगिताओं के **विजेताओं के नामों की घोषणा** की जाएगी।

प्रतियोगिता के नियमः–

1. **पात्रताः संस्थान के ग्रुप 'बी' एवं 'सी' के सभी नियमित कर्मचारियों एवं छात्रावास प्रबन्ध बोर्ड/वर्कचार्ज/स्कीमों के अन्तर्गत कार्यरत कर्मचारी इन प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं।**
2. **पुरस्कारः सभी श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 2500/–रु., 2000/–रु. और 1500/–रु. (प्रमाणपत्र के साथ) की राशि का पुरस्कार 'हिन्दी समारोह' के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।**
3. **चार प्रतियोगी होने पर केवल दो पुरस्कार (प्रथम एवं द्वितीय) तथा चार से कम प्रतियोगी होने पर केवल एक (प्रथम) पुरस्कार दिया जाएगा।**
4. **उपरोक्त प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक स्टाफ सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने नाम दिनांक 10 सितंबर, 2021, (सायं 5.00 बजे) तक ईमेल : hindijournal@gmail.com पर तथा प्रतिलिपि (cc) ईमेल : hodhindi@admin.iitd.ac.in पर निश्चित रूप से भेज दें।**

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 1772, 7144, 1242

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com